**PART-1**

# पुनर्जागरण काल के प्रमुख खोज यात्री- मार्को पोलो

**भाग:-1**

डॉ. राजेश कुमार सिंह, भूगोल विभाग

सर्व नारायण सिंह राम कुमार सिंह महाविद्यालय, सहरसा

## पुनर्जागरण काल के प्रमुख खोज यात्री (Main Explorers of Renaissance Period)

उत्तर मध्यकाल या पुनर्जागरण काल में पश्चिमी यूरोपीय देशों के शासकों तथा जनता के प्रोत्साहन एवं सहायता से अनेक खोज यात्रियों (नाविकों) ने नये-नये महासागरीय मार्गों और महाद्वीपों, द्वीपों, देशों आदि का पता लगाया। इस युग के खोजयात्रियों में मा्कोपोलो, कोलंबस, वास्कोडीगामा, मैंगेलन, कुक, अमेरिगो वसपुक्की, जोन्स डीमांट, फ्रांसिस ड्रेक, हडसन आदि के नाम विशेष उल्लेखनीय हैं। कुछ प्रमुख खोजयात्रियों की यात्राओं का संक्षिप्त विवरण अग्रांकित है:-

### 1. मार्को पोलो (Marco Polo)

मार्को पोलो (1254-1324 ई०) तेरहवीं शताब्दी का महान खोज यात्री था जिसने वेनिस (इटली) से चलकर पश्चिमी एशिया और मध्य एशिया होते हुए पूर्वी चीन तक की तथा चीन से वियतनाम,

मलाया, ब्रह्मा, श्रीलंका और भारत होते हुए अफ़गानिस्तान तक की यात्रा पूरी की थी। वहाँ से वह अंततः वेनिस लौट आया था। वह प्रथम महान यात्री था जिसने एशिया के पश्चिम से पूर्व की ओर के मार्ग की खोज की थी।

मार्को पोलो का जन्म ( 1254 ई० ) वेनिस के एक सम्भ्रांत व्यापारी परिवार में हुआ था। उसके पिता निकालो और चाचा माफिओ दूर-दूर तक एशियाई देशों में व्यापारिक यात्राओं पर जाया करते थे। उन लोगों ने चीन तक की यात्रा की थी। सत्रह वर्ष की आयु में मार्को पोलो अपने पिता और चाचा के साथ चीन की यात्रा पर निकला जहाँ तत्कालीन शासक कुबलाई खान ने उन्हें आमंत्रित किया था। वेनिस से यात्रा आरंभ करके ये तीनों पहले फिलिस्तीन गये और वहाँ से ऐक्रे (ट्की) पहुँचे। ऐक्रे से ये लोग पूर्व की ओर मुड़ गये और उत्तरी ईरान से होते हुए फारस की खाड़ी पर स्थित होरमुज पहुँचे। वहाँ से ये लोग मंगोलिया की राजधानी के लिए उत्तर-पूर्व की ओर चल दिये और अफगानिस्तान में बदकशां पहुँचे जो अतिथियों के स्वागत-सत्कार के लिए प्रसिद्ध था।